IJCRT.ORG ISSN : 2320-2882

INTERNATIONAL JOURNAL OF CREATIVE RESEARCH THOUGHTS (IJCRT)

An International Open Access, Peer-reviewed, Refereed Journal

पालि एवं संस्कृत बौद्ध ग्रंथों में उपलब्ध पाँच महाविलोकन कीअवधारणा का विश्लेषणात्मक अध्ययन |

रींकु पान्डेय

पालि एवं बौद्ध अध्ययन विभाग, काशी हिंदू विश्वविद्यालय ,वाराणसी 22100

सार

वर्तमान आलेख से संबंधित पालि एवं संस्कृत बौद्ध ग्रंथों मे उपलब्ध महाविलोकन की अवधारणा का विश्लेषणात्मक अध्ययन |महामाया देवी का स्वप्न,बोधिसत्त्व के जन्म की भविष्यवाणी ,चार पूर्व निमित्त,महाभिनिष्क्रमण ,ज्ञान प्राप्ति एवं बुद्धत्त्व के अर्थ की चर्चा है |पालि एवं संस्कृत ग्रंथों में उपलब्ध पाँच महविलोकण-काल, द्वीप ,देश ,कुल ,माता ,एवं उनकी आयु के बारे में बताया है |

कुंजी शब्द : पालि एवंसंस्कृत बौद्ध ग्रंथ ,पाँच महाविलोकन |

प्रस्तावना

बुद्ध कोलाहल के पश्चात दस सहस्त्र चक्रवाल के सभी देवता एकत्र हो बोधिसत्त्व से मनुष्य रूप मे जन्म ले कर बुद्ध होने की याचना करते हैं| निदान कथा में वर्णित है कि भगवान बुद्ध पाँच महाविलोकन के पश्चात ही प्रतिसंधि ग्रहण करते हैं |महामाया देवी का स्वप्न ,बोधिसत्त्व का जन्म ,भविष्यवाणी ,चार पूर्व निमित्त ,महाभिनिष्क्रमण ,तपश्चर्या ,सुजाता की खीर ,मार आक्रमण ,ज्ञान -प्राप्ति एवं बुद्धत्त्व का अर्थ का वर्णन किया गया है |बुद्ध होने के पूर्व बोधिसत्त्व दस पारमिताओं को सम्यक रूप से परिपूर्ण कर देवलोक में देवपुत्र के रूप मेंजीवन अवधि को पूर्ण करते हैं|

पाँच महाविलोकन : 1 काल, 2 द्वीप, 3 .देश. 4. कुल, 5 माता एवं उनकी आयु |

1 काल -

भगवान बुद्ध का अवतरण धरा पर उस समय होता है जब मनुष्य की आयु एक सौ वर्ष से उपर परंतु एक लाख वर्ष से कम होती है |धर्म के तीन लक्षणों -अनित्य ,अनात्म और दुख का ज्ञान एक लाख वर्ष आयु वाले मनुष्य को हो ही नही सकता और सौ वर्ष से कम आयु वाले प्राणी समझ ही नही पाते क्योंकि वे चित्तमल से जकड़े रहते हैं |

2 द्वीप -

ग्रंथों में बताया गया है कि अंतरिक्ष में अनंत चक्रवाल हैं जिन्हें लोकधातु भी कहा गया है|इन्हीं चक्रवालों में से एक हमारी पृथ्वी है जो चारों ओर से समुद्र से घिरी और चार महाद्वीपों -जम्बूद्वीप ,पूर्वविदेह ,उत्तर कुरू और अपरगोयान से युक्त है |अवलोकन के पश्चात बोधिसत्त्व ने जम्बूद्वीप को सबसे उपयुक्त माना है |

3 देश –

बोधिसत्त्व जन्म ग्रहण के लिए जम्बूद्वीप के पाँच देशों में से मध्य देश को सर्वश्रेष्ठ मानते हैं| यद्दपि अनेक ग्रंथों में देश के बारे में अलग - अलग बताया गया है पर पालि ग्रंथों में मध्य देश को जम्बूद्वीप का सर्वश्रेष्ठ प्रदेश बताया गया है|इसी प्रदेश में बुद्ध,प्रत्येक बुद्ध,अग्रश्रावक,ब्राह्मण, क्षत्रिय ,चक्रवर्ती सम्राट और गृहपतिजन्म लेते हैं|

4 कुल -

जम्बूद्वीप में ब्राह्मण ,क्षत्रिय, वैश्य एवं शूद्र नामक चार कुलों की परंपरा है | बौद्धों के कुल अवलोकन की परंपरा से ब्राह्मण एवं क्षत्रिय ही श्रेष्ठ कुल माने गये हैं शेष दो कुल वैश्य एवं शूद्र बुद्धों के जन्म के लिए उपयुक्त नहीं समझे जाते हैं |

5 माता एवं उनकी आयु -

देश, द्वीप ,कुल के पश्चात बोधिसत्त्व अपनी माता का विचार करते हैं |जो माता बोधिसत्त्व को अपने कक्षी मेंधारण करती हैं ,वह सुरापन आदि से विरत ,काय,मन और वचन से शुद्ध होती हैं |बोधिसत्त्व की माता एक लाख कल्प से पारमिताओं को पूरा करने वाली तथा जन्म से ही पंचशीलों को अखंड पूरा करने वाली होती हैं |बोधिसत्त्व के जन्म के पश्चात माता की आयु सात दिन ही शेष रहती है क्योंकि बोधिसत्त्व के जन्म के पश्चात अन्य गर्भ धारण नहीं कर सकती |

सामाग्री और विधि -

पालि एवं संस्कृत बौद्ध ग्रंथों में उपलब्ध पाँच महाविलोकन की अवधारणा के बारे में बोधिसत्त्व का जन्म,महामाया देवी कास्वप्न भविष्यवाणी ,चार पूर्व निमित्त ,महाभिनिष्क्रमण ,तपश्चर्या ,सुजाता की खीर ,मार आक्रमण ,ज्ञान प्राप्ति एवं बुद्धत्त्व के अर्थ की चर्चा की गयी है |

परिणाम और चर्चा-

उपर्युक्त शोध पालि एवं संस्कृत ग्रंथों मे उपलब्ध पाँच महाविलोकन -काल,द्वीप,देश, कुल ,एवं माता तथा उनकी आयु के बारे में किया जाता है |

सन्दर्भ -

1 सं० भिक्षु जगदीश काश्यप,बिहार राज्य पालि प्रकाशन मंडल,अनुत्तर निकाय,भा० (1-2) ,1960

2अनु ० भदंत आनंद कौसल्यायन ,महाबोधि सभा कलकत्ता ,अनुत्तर निकाय (हिन्दी अनुवाद),1963

3 अनु ० आचार्य नरेंद्र देव ,हिन्दुस्तान एकेडमी इलाहाबाद ,अभिधर्मकोश ,1958

4 सं ० भि ० जगदीश काश्यप ,बिहार राज्य पालि प्रकाशन मंडल,खुद्दक़ निकाय,1958

5 भि ० धर्मरक्षित ,मोतीलाल बनारसी दास,वाराणसी,1983

6 सं ० महेश तिवारी ,चौखम्बा संस्कृत सीरीज़ ,वाराणसी ,निदानकथा ,1970